दतिया मेडिकल कॉलेज की बड़ी उपलब्धि

मुंह की दुर्लभ रसोली का सफल ऑपरेशन, महिला को मिला नया जीवन

▶ ग्वालियर-झांसी में महंगे इलाज से टूट चुकी थी उम्मीद, दतिया मेडिकल कॉलेज के दंत रोग विभाग ने नि:शुल्क उपचार कर लौटाई मुस्कान

नवभारत न्यूज

दतिया, 26 जुलाई। दतिया मेडिकल कॉलेज ने एक बार फिर उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं का परिचय देते हुए मुंह की एक दुर्लभ एवं जटिल बीमारी से पीड़ित महिला का सफल ऑपरेशन कर उसे नया जीवन दिया है। दंत रोग विभाग की विशेषज्ञ टीम ने ओडोन्टोजेनिक जैसी जटिल रसोली का सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर न केवल महिला को लंबे समय से हो रहे असहनीय दर्द और संक्रमण से राहत दिलाई , बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मरीज को पूरी तरह निशुल्क उपचार उपलब्ध कराकर सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और संवेदनशीलता का भी परिचय दिया।यह सफलता दतिया मेडिकल कॉलेज के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि इस प्रकार की जटिल सर्जरी सामान्यत: बड़े मेडिकल संस्थानों में ही की जाती है।

महंगे इलाज के कारण निराश हो चुकी थी महिला,जानकारी के अनुसार दतिया जिले की रहने वाली एक महिला पिछले कई महीनों से मुंह में लगातार बनने वाली रसोली, मवाद और तेज दर्द की समस्या से परेशान थीं,बीमारी धीरे-धीरे गंभीर होती जा रही थी, जिससे उन्हें भोजन करने, बोलने और सामान्य जीवन जीने में भी कठिनाई होने लगी थी। इलाज की उम्मीद लेकर महिला पहले ग्वालियर और झांसी के बड़े अस्पतालों में पहुंचीं , लेकिन वहां ऑपरेशन और उपचार का खर्च काफी अधिक बताया गया। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह इतना खर्च वहन नहीं कर सकीं और निराश होकर वापस लौट आईं। ऐसे समय में उन्होंने अंतिम उम्मीद के रूप में दतिया मेडिकल कॉलेज के दंत रोग विभाग से संपर्क किया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने तैयार की उपचार योजना दतिया मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर दंत रोग विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने महिला की विस्तृत जांच की,आवश्यक परीक्षणों के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मरीज ओडोन्टोजेनिक किरेटोसिस्ट नामक जटिल बीमारी से पीड़ित हैं, जिसके लिए विशेषज्ञ सर्जरी आवश्यक थी, मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण सिंह कैरा के कुशल मार्गदर्शन में उपचार की विस्तृत योजना तैयार की गई। इसके बाद डॉ. अतुल कुशवाह (असिस्टेंट प्रोफेसर) ने पूरी चिकित्सकीय टीम के सहयोग से अत्यंत सावधानी और विशेषज्ञता के साथ सफल ऑपरेशन किया, ऑपरेशन के बाद नियमित फॉलोअप से मिली पूरी राहत,सर्जरी के बाद महिला का नियमित रूप से प्रत्येक माह फॉलोअप एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

डॉक्टरों ने ऑपरेशन के बाद उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी और आवश्यक उपचार जारी रखा। दंत रोग विभाग के चिकित्सकों के अनुसार अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ हैं और उन्हें पहले जैसी कोई परेशानी नहीं है। सफल इलाज के बाद महिला ने मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों एवं पूरे चिकित्सा स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि उन्हें समय पर यह उपचार नहीं मिलता तो उनकी समस्या और गंभीर हो सकती थी। सरकारी अस्पतालों में मिल रही उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं,सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. सचिन यादव ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में लगातार आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे जिले और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को अब बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता कम हो रही है।

अज्ञात शव की पहचान कर परिजनों को सौंपा

भैरुंदा. गत दिवस ग्राम टिगाली स्थित कटरा घाट पर नर्मदा नदी किनारे एक अज्ञात पुरुष का शव पुलिस ने बरामद किया था. शव का सूक्ष्म निरीक्षण करने पर शरीर पर किसी प्रकार की स्पष्ट बाहरी चोट नहीं पाई गई. शव का पीएम कराकर पहचान के लिए सिविल अस्पताल की मर्चुरी में सुरक्षित रखा गया. पुलिस द्वारा आसपास के थाना क्षेत्रों में भी जानकारी भेजी गई. इसी दौरान ई-रक्षक ऐप के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई कि 21 जुलाई को गौशाला घाट ग्राम आहारखेड़ा थाना माखन नगर में 20 वर्षीय रक्षत उर्फ रामू पिता चंदर पठारिया निवासी ग्राम गोहना देरईया थाना सोहागपुर जिला नर्मदापुरम नर्मदा नदी में नहाते समय गहरे पानी में डूब गया था, जिसकी रिपोर्ट थाना माखन नगर में दर्ज थी. प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना माखन नगर के विवेचना अधिकारी तरुण चंदेल से संपर्क कर शव के हुलिए का मिलान कराया गया. जो डूबे हुए युवक रक्षत उर्फ रामू से मेल खाता पाया गया.

सड़कों पर आवारा पशुओं का आतंक बना सिरदर्द

हादसों के बाद भी परिषद नहीं दे रही ध्यान

नवभारत न्यूज

दतिया, 26 जुलाई। नगर में आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या लोगों के लिए सिरदर्द और जान को खतरा बन रही है। मैन रोड ही नहीं बल्कि हर गली मोहल्ले में आवारा पशुओं का आतंक है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। ऐसे में कभी किसी के साथ हादसा हुआ तो फिर जिम्मेदारों का जवाब देना भारी पड़ेगा। हालांकि जान की कोई कीमत नहीं होती है लेकिन हादसे पर मुआवजा राशि जिम्मेदार अधिकारियों की जेब से दिलाई जाए तो उनकी आंखें खुल सकती हैं। नगर में सबसे ज्यादा आवारा सांड, सूअर व कुत्ते हैं। इसके बाद गायों का नंबर आता है। शहर में कुछ लोगों ने गाय पाल रखी हैं, लेकिन अधिकांश लोग दूध निकालने के बाद गायों को डंडा मारकर सड़क पर इधर-उधर चारे के लिए मुंह मारने को छोड़ देते हैं। सड़क और सार्वजनिक स्थलों पर मंडराते आवारा पशु लोगों की जान के लिए खतरा बन गए हैं।

सब्जी मंडी में सांडों का आतंक इस कदर है कि लोग सब्जी खरीदने के लिए आने से कतरा रहे हैं। इसी प्रकार गली मोहल्लों में भी आवारा पशुओं का जमावड़ा रहता है। आवारा पशु झुंड में रहते हैं जो किसी पर अटैक करें तो बचना मुश्किल है। दूसरी ओर कुत्तों का आंतक हर गली मोहल्ले में है। इधर लोगों का कहना है कि शहर में बढ़ते आवारा पशु लोगों की जान के लिए बड़ा खतरा है। आवारा पशुओं को पकड़कर गोशाला या जंगल में छोड़ने की ड्यूटी नगर परिषद की है लेकिन नगर परिषद की लापरवाही से शहर में आवारा जानवर दिन पे दिन बढ़ रहे हैं।

परिषद की ओर से नहीं हो रही धरपकड़ की कार्रवाई

आवारा पशुओं की समस्या से शहरवासियों को निजात दिलाने के लिए जनप्रतिनिधियों शहरवासियों की ओर से कई बार नगरपरिषद प्रशासन को सूचना देने के बाद आवारा पशुओं की धरपकड़ के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। एक-दो बार एकाध दिन के लिए अभियान चलाने के बाद परिषद की ओर से पशुओं को पकडने की कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। नगर में हो चुके है कई हादसे दृ नगर के मुख्य मार्गों गली-मोहल्लों में आवारा पशुओं का जमावड़ा रहने के कारण शहर वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के मुख्य मार्गों पर झुंड बनाकर घूमते आवारा पशुओं के कारण राहगीरों वाहन चालकों को हरदम हादसा होने की आशंका लगी रहती है। कई बार आवारा पशुओं के सड़कों पर जमावड़ा होने के कारण कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। इसमें कुछ वाहन चालक चोटिल भी हो चुके हैं। नगर परिषद प्रशासन की तरफसे आवारा पशुओं की धरपकड़ के कोई प्रयास नहीं किए जाने के चलते आम शहरवासी का मार्ग पर आवागमन करना मुश्किल हो गया है।

दल-दल में फंसी गाय को बिजली कर्मियों ने निकाला

नवभारत न्यूज

सेवढ़ा, 26 जुलाई। अपनी प्रतिदिन की ड्यूटी के दौरान बिजली कर्मियों की निगाह बायपास रोड के बगल से बनी दल-दल में फंसी गाय पर पड़ी उन्होंने देखा कि गाय के चारों पैर पूरी तरह दल-दल में धंस चुके हैं फिर क्या था गाड़ी चालक तालिब खान ने गाड़ी वहीं रोक दी और लाइनमैन पवन झा, पवन रजक, आनंद राजा के साथ मिलकर दल-दल में फंसी गाय को लगभग तीस मिनट की मशक्त के बाद सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। इस कार्य के बाद बिजली कर्मियों की सराहना पूरा नगर कर रहा है।

माइक्रो ऑब्जर्वरों का प्रशिक्षण आयोजित

नवभारत न्यूज

दतिया, 26 जुलाई। दतिया विधानसभा उपनिर्वाचन-2026 को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, दतिया में माइक्रो ऑब्जर्वरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में निर्वाचन प्रेक्षक श्री विजय भारती की उपस्थिति में माइक्रो ऑब्जर्वरों को निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश एवं दायित्वों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दतिया अक्षय कुमार तेम्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी, श्रीमती विधा मिश्रा तथा मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे।

इस दौरान अधिकारियों ने माइक्रो ऑब्जर्वरों को मतदान केंद्रों पर निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने, निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने तथा प्रत्येक गतिविधि पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया में तैनात माइक्रो ऑब्जर्वरों को उनके कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों से भली-भांति अवगत कराना था, ताकि दतिया विधानसभा उपनिर्वाचन-2026 का मतदान स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जा सके।

छात्र उत्पीड़न के विरोध में कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च

बुधनी. पेपर लीक, परीक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं तथा प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में कैंडल मार्च एवं सत्याग्रह का आयोजन किया गया. ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष योगेश सिंह राजपूत के नेतृत्व में निकाले गएमार्च में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन किया. इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई. कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह कैंडल मार्च पेपर लीक से प्रभावित तथा इससे जुड़े घटनाक्रम में जान गंवाने वाले छात्रों की स्मृति को समर्पित है. कैंडल मार्च व सत्याग्रह में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सोनू राजपूत, अजय यादव, राकेश यादव, हरीश मालवीय, हरीश मीणा, प्रमोद चौहान, सौरभ दुबे, सुशील मीना, कपिल मल्होत्रा, महेंद्र यादव, अरुण यादव, मोहित राव, कृष्णा दुबे, साक्षी शर्मा आदि अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे.

मवेशी को बचाने के प्रयास में 40 फिट नीचे गिरी ट्रैक्स

▶ नेशनल हाईवे पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर हुआ हादसा

▶ फ्लाई ओवर से गाड़ी गिरने पर चालक गंभीर घायल

नवभारत न्यूज

बुधनी 26 जुलाई. राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवारा मवेशी एक बार फिर सड़क हादसे की वजह बने. रविवार सुबह गडरिया नाले के ऊपर बने फ्लाई ओवर पर एक ट्रेक्स गाय को बचाने के प्रयास में रेलिंग तोड़ते हुए नीचे सर्विस रोड़ पर जा गिरी. हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया.

घायल चालक की पहचान 35 वर्षीय अमन पिता अख्तर निवासी आनंद नगर देवास के रूप में हुई है. वह इंदौर के पीथमपुर से नई टेंपो ट्रेक्स वाहन लेकर जा रहा था. उसके साथ एक अन्य टेंपो ट्रैवलर भी चल रही थी. दोनों वाहन भोपाल तक आगे-पीछे चल रहे थे, लेकिन देर रात बारिश के दौरान दोनों के बीच दूरी हो गई. इसके बाद अमन अकेले आगे निकल आया.

बताया जाता है कि गडरिया नाले फ्लाई ओवर पर गाय को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया. टेंपो ट्रेक्स फ्लाई ओवर की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे सर्विस रोड़ पर जा गिरी. राहत की बात यह रही कि वाहन में चालक के अलावा कोई सवारी नहीं थी.

वहीं जिस सर्विस रोड़ पर वाहन गिरा, वहां मरम्मत कार्य के चलते आवागमन बंद था. यदि उस समय सर्विस रोड़ पर यातायात चालू होता या हादसा दिन में होता, तो बड़ी जनहानि भी हो सकती थी.

शराब और खराब दिनचर्या बढ़ा रही फैटी लिवर का खतरा : डॉ . जैन

नि:शुल्क फाइब्रोस्कैन शिविर में 95 मरीजों ने उठाया लाभ

नवभारत न्यूज

दतिया, 26 जुलाई। विद्या विहार कॉलोनी, चौतन्यपुरी आश्रम (हनुमान गढ़ी के पास) स्थित डॉ. हेमंत जैन क्लिनिक पर रविवार, को एक दिवसीय नि:शुल्क परामर्श एवं फाइब्रोस्कैन शिविर संपन्न हुआ। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया के मेडिसिन विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. हेमंत कुमार जैन (एम् डी मेडिसिन) के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में 95 मरीजों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और नि:शुल्क परामर्श का लाभ उठाया।

सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक चले इस शिविर का मुख्य आकर्षण शि:शुल्क फाइब्रोस्कैन सुविधा रही। इस अत्याधुनिक मशीन के जरिए मरीजों के लिवर की सेहत की जांच चंद मिनटों में की गई और उन्हें उचित चिकित्सीय परामर्श दिया गया।

शिविर के दौरान मरीजों की जांच में यह बात प्रमुखता से सामने आई कि आजकल लिवर से जुड़ी बीमारियों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण लोगों की आधुनिक और अनियंत्रित जीवनशैली तथा शराब का बढ़ता चलन है। शराब का सेवन और शारीरिक श्रम की कमी (खराब दिनचर्या) के कारण लिवर में फैट यानी चर्बी का जमा होना (फैटी लिवर) अब एक आम समस्या बन गया है। लिवर में इस तरह फैट जमा होने से शरीर में इन्सुलिन रेजिस्टेंस बढ़ जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लोगों में मधुमेह (डायबिटीज), बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल और दिल से जुड़ी जानलेवा समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। समय पर जांच ही है असली बचाव मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए डॉ. हेमंत कुमार जैन ने बताया, ष्फाइब्रोस्कैन जैसी जांचों से लिवर की स्थिति का मिनटों में पता लगाया जा सकता है। यदि समय रहते फैटी लिवर या लिवर की अन्य समस्याओं का पता चल जाए, तो हम स्थिति को वहीं रोक कर कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। डॉ. जैन ने जोर देकर कहा कि स्वस्थ लिवर के लिए शराब से पूरी तरह दूरी बनाना, फास्ट फूड से बचना और नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करना बेहद आवश्यक है।

शिविर में लाभान्वित हुए 95 मरीजों और उनके परिजनों ने सम्पूर्ण स्वास्थ्य लाभ मुहैया कराने की इस नि:शुल्क पहल के लिए डॉ. जैन का आभार व्यक्त किया। शिविर में युवा समाज सेवी कौशल पाठक , अनिल शाक्य , मयंक पुरोहित ,सोनू कुशवाह ,नरेंद्र कुशवाह, धीरज ढींगरा और जीतू हरिया का सहयोग रहा।

अभाविप संगठन सेवढ़ा इकाई ने मनाया कारगिल विजय दिवस

सेवढ़ा, 26 जुलाई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर ईकाई सेवढ़ा द्वारा नगर के त्र्यंबकेश्वर मंदिर प्रांगण पर एक कार्यक्रम आयोजित कर कारगिल विजय दिवस मनाया। वीरों के पराक्रम को याद कर भारत माता की आरती की। कार्यक्रम का संयोजन नगर मंत्री अभय श्रीवास्तव ने किया, संचालन नगर अध्यक्ष महावीर सिंह चौहान ने किया। कार्यक्रम को डॉ. राजेंद्र पाराशर एवं कवि/ पत्रकार राणा भूपेंद्र सिंह ने संबोधित किया इस अवसर पर संगठन के सदस्य आनंद यादव, आनंद जाटव, अंकुश यादव, नकुल जाटव, अंकित यादव सहित वरिष्ठजन पुरुषोत्तम पांडेय, दिवाकर शर्मा, मनोज गुप्ता, अमित शर्मा, चंद्रभान सगर, विकास पटेल, गोविन्द तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दुबे परिवार द्वारा स्थापित कन्हरगढ़ (कन्दरपुरा) माता मंदिर

नवभारत न्यूज

दतिया, 26 जुलाई। जिले की सेवढ़ा तहसील सेवढ़ा नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 1 कन्दरपुरा में मिट्टी के टीले पर गांव की सतह से काफी ऊंचाई पर बना देवी मंदिर - जो कि कन्हरगढ़ (कन्दरपुरा) वाली माता के नाम से जाना जाता है। वार्ड क्रमांक 1 दुबे मौहल्ला में निवासरत श्री गजानंद दुबे ने बताया कि उनके पूर्वज मथुरा जनपद के बसई गांव से निकले हैं जो धौलपुर स्टेट में पांडित्य कर्म करते रहे।

सेवढ़ा रियासत के राजा ने धौलपुर स्टेट के राजा से सेवढ़ा रियासत में पांडित्य कर्म के लिए पंडित जी की मांग की तो दुबे परिवार के छह भाई उस समय सेवढ़ा आ गए। यह बात उस समय की है जब सेवढ़ा नगर की बसाहट पुरानी थी। उस समय सेवढ़ा के राजा ने वार्ड क्रमांक 1 में एक हवेली जिसे दुबे की हवेली कहते हैं - दुबे परिवार को रहने दी। चूंकि दुबे परिवार देवी को इष्ट मानते थे तो उन्होंने वार्ड क्रमांक 1 कन्दरपुरा में छोटा सा मंदिर बनवाकर देवी की पाषाण प्रतिमा की स्थापना उस मंदिर में कराई।

ये बात आज से सात पीढ़ी पहले की है जब मंदिर पर कन्दरपुरा के मिश्रा परिवार के एक सदस्य इस मंदिर पर पुजारी रहे पूर्व में जो आज ब्रह्मलीन हो चुके हैं उनके बाद से दुबे परिवार द्वारा ही मंदिर के पुजारी का कार्य संभाला गया। चूंकि मंदिर नदी से तीन सौ मीटर की दूरी पर है वर्षाकाल में आनेवाली बाढ़ से मिट्टी का कटाव होकर देवी मंदिर का पिछला हिस्सा दो तरफ से ढह गया है जिससे मंदिर जीर्ण-शीर्ण हालत में हैं।

मंदिर का निर्माण अभी अधूरा

नवम्बर 2025 में मंदिर पर जीर्णोद्धार निर्माण कार्य शुरू हुआ था जो बीच में अर्थ अभाव में रोक दिया था। अब पुन: दुबे परिवार ने मंदिर के आसपास निर्माण कार्य लगा दिया है जिससे मंदिर का अस्तित्व बचाया जा सके। वार्डवासी एवं नगरवासियों से भी सहयोग की अपील की है ताकि इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा सके।

खतरनाक स्टंट! बाइक लेकर खाई के मुहाने पर पहुंचा युवक

▶ मृगननाथ पहाड़ी के समीप रील बनवाने युवक ने लिया जोखिम

▶ जरा भी चूक होती तो हजारों फीट गहरी खाई में गिर जाता

नवभारत न्यूज

बुधनी 26 जुलाई. सोशल मीडिया पर जल्दी मशहूर होने और लाइक्स-व्यूज पाने की होड़ युवाओं को लगातार खतरनाक स्टंट करने के लिए प्रेरित कर रही है. बुधनी से भी एक चिंताजनक मामला सामने आया है.

विंध्याचल पर्वत पर विराजमान बाबा मृगननाथ की पहाड़ी पर एक युवक का जान जोखिम में डालकर बाइक से स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. बताया जा रहा है कि यह वीडियो नर्मदापुरम सिटी नामक सोशल मीडिया पेज पर साझा किया गया है. वीडियो में युवक बाइक लेकर पहाड़ी के बिल्कुल मुहाने तक पहुंच जाता है और वहीं खड़े होकर रील बनवाता दिखाई देता है. लोगों के अनुसार जिस स्थान पर यह स्टंट किया गया, उसके ठीक नीचे गहरी खाई है. ऐसे में जरा-सी चूक या बाइक का संतुलन बिगड़ने पर बड़ा हादसा हो सकता था. यह स्टंट न केवल युवक के लिए जानलेवा साबित हो सकता था, बल्कि वहां मौजूद अन्य पर्यटकों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकता था.

गौरतलब है कि बारिश के मौसम में बुधनी की मृगननाथ पहाड़ी और आसपास का प्राकृतिक सौंदर्य देखने के लिए स्थानीय एवं बाहरी क्षेत्रों से पर्यटक पहुंचते हैं. ऐसे में इस तरह के खतरनाक स्टंट दुर्घटनाओं को बढ़ा देते हैं. यह क्षेत्र वन परिक्षेत्र बुधनी में आता है. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वायरल वीडियो कब का है और किस तारीख को बनाया गया था.

एएसपी डॉ . चौबे ने दिया जागरुकता संदेश

सीहोर. कुबेरेश्वर धाम में द्वितीय दिवस एएसपी डॉ. प्रशांत चौबे ने जनसमूह को संबोधित करते हुए नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुक किया और समाज को नशा मुक्त बनाने का संदेश दिया.

इस अवसर पर सीएसपी डॉ अभिनंदना शर्मा, आरआई उपेन्द्र यादव, यातायात प्रभारी बृजमोहन धाकड़, थाना प्रभारी मंडी सुनील मेहर मौजूद थे.

अवैध रेत परिवहन से भड़का ग्रामीणों का गुस्सा

गांवों के अंदर से जा रहे रेत से लदे ट्रैक्टर- ट्रालियों को रोका, हुआ विवाद तो चालक के साथ मारपीट

▶ बिना रायल्टी दिए गांवों के अंदर से ले जाते हैं रेत

▶ घटना के बाद प्रशासन ने तीन ट्रैक्टर- ट्राली किए जब्त

नवभारत न्यूज

भैरुंदा 26 जुलाई. गांवों के अंदर से हो रहे अवैध रेत परिवहन को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया. शासन को बिना रॉयल्टी अदा किए रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली के ग्रामीण मार्ग से गुजरने का विरोध करने पर ग्रामीणों और ट्रैक्टर चालक के बीच विवाद हो गया, जो मारपीट में बदल गया. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया और तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर लाड़कुई चौकी में खड़े कराए गए.

भैरुंदा तहसील के ग्राम छापरी से निमोटा होते हुए बबलीखेड़ा और सनकोटा को जोड़ने वाले ग्रामीण मार्ग पर अवैध रेत परिवहन को लेकर तनाव की स्थिति बन गई. ग्रामीणों का आरोप है कि प्रतिदिन 50 से 60 रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली बिना रॉयल्टी इसी कच्चे मार्ग से गुजरते हैं, जिससे सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है. ग्रामीणों के अनुसार जब उन्होंने ट्रैक्टर चालक से इस मार्ग से रेत परिवहन को लेकर सवाल किया तो दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई. विवाद बढ़ने पर मारपीट की नौबत आ गई और ग्रामीणों ने चालक की पिटाई कर दी. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से कच्चा रास्ता बदहाल हो गया है। बारिश के मौसम में कीचड़ और गड्ढों के कारण बच्चों का स्कूल पहुंचना और मरीजों को अस्पताल ले जाना मुश्किल हो गया है. उनका आरोप है कि प्रशासन की कार्रवाई से बचने के लिए रेत माफिया मुख्य मार्गों की बजाय ग्रामीण सड़कों का इस्तेमाल करते हैं. अब देखना है कि अवैध रेत के कारोबार को प्रशासन किस हद तक रोकने में सफल हो पाता है.

प्रशासन की उदासीनता पर उठ रहे सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि भैरुंदा क्षेत्र में लंबे समय से बिना रॉयल्टी रेत का अवैध परिवहन जारी है, लेकिन खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। छिटपुट जब्ती की कार्रवाई के बावजूद अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है. ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कई ट्रैक्टर चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस, बीमा और अन्य आवश्यक दस्तावेज तक नहीं हैं, फिर भी वाहन बेरोकटोक सड़कों पर दौड़ रहे हैं. इससे शासन को राजस्व की हानि होने के साथ-साथ ग्रामीणों और उनके परिवारों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है.